कोविड ट्रीटमेंट फैसिलिटी (पेड)
राज्य सरकार के निर्देशानुसार
जनरल वार्ड । आईसीयू
ए.सी. वार्ड | प्राइवेट ए.सी. रूम
प्राइवेट नॉन ए.सी. फैमिली सुइट
प्राइवेट ए.सी. फैमिली सुइट
* सभी अतिरिक्त सुविधाएं अतिरिक्त भुगतान पर उपलब्ध
9649904849, 9461221718

# टी मीडिया

tmedia@tantiauniversity.com

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 15 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 15 जनवरी, 2021 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

# जन सेवा हॉस्पिटल : रचा जा रहा है नित नया इतिहास

## ● परामर्श शुल्क सिर्फ 10 रुपए, रोज का भर्ती शुल्क केवल 20 रुपए ● विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं, अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरण

**श्रीगंगानगर।**

हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) नित नए इतिहास रच रहा है। यही वजह है कि हॉस्पिटल सभी तरह के रोगियों की पहली पसंद बना हुआ है। विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा अनुभवी-प्रशिक्षित स्टाफ की समर्पित सेवाओं के कारण विशिष्ट स्थान स्थान बना है। परामर्श शुल्क सिर्फ 10 रुपए और प्रतिदिन का भर्ती शुल्क केवल 20 रुपए है। इतना ही नहीं सभी तरह की जांचें रियायती दर पर उपलब्ध करवाई जा रही है। जटिल ऑप्रेशन भी सफलता से किए जा रहे हैं। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले का ही नहीं उत्तर भारत के सबसे अधिक विश्वसनीय हॉस्पिटलों की सूची में शामिल यह चैरिटेबल एवं अत्याधुनिक जन सेवा हॉस्पिटल अपने हृदय रोग विभाग, जनरल सर्जरी, मेडिसिन, न्यूरो सर्जरी, हड्डी रोग व जोड़, छाती, टीबी व श्वांस रोग, नेत्र रोग, नवजात व शिशु रोग, प्रसूति व स्त्री रोग, आपातकालीन, मुंह, गला व थॉइराइड कैंसर रोग विभाग आदि के माध्यम से मरीजों तथा उनके परिजनों की उम्मीदों के अनुसार समर्पित भाव से सेवाएं दे रहा है। आयुष्मान भारत, स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत निःशुल्क इलाज एवं भोजन की व्यवस्था भी है। सी.टी. स्कैन, एमआरआई, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, ब्लड बैंक, डायलिसिस आदि का बेहतरीन इंतजाम है। अत्याधुनिक आईसीयू, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्केन, डायलिसिस आदि का शुल्क भी अपेक्षाकृत कम लिया जा रहा है। हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में डेंगू आदि मरीजों के लिए एसडीपी भी उपलब्ध है, इसकी एक यूनिट से प्लेटलेट्स में 40 से 50 हजार की बढ़ोतरी हो जाती है।

Dr. S.S. Tantia MCH & Research Center
Jan Sewa Hospital
Affordable Health Care -for All

डॉ. राघव टांटिया

डॉ. अरूण कुमार सी पवार

डॉ. संजय सोलंकी

डॉ. विकास गर्ग

डॉ. स्मृति अरोड़ा

### समर्पित भाव से जुटी रहती है टीम

जन सेवा हॉस्पिटल की टीम समर्पित भाव से जुटी रहती है, उसे सफलता के लिए खूब प्रोत्साहन और प्रशंसा मिल रही है। नाम मात्र शुल्क पर परामर्श और भर्ती, रियायती दर पर जांच, सबसे महत्वपूर्ण बात सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की सेवाएं, अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरण। इन सभी के पीछे टीम की सोच यही है कि क्षेत्र के लोगों को महानगरों में जाने की नौबत नहीं आए तथा यही अपेक्षाकृत कम शुल्क पर तमाम तरह की सुविधाएं मिल जाए। मरीजों एवं उनके परिजनों से जीवंत सम्पर्क रखा जाता है और उनके सुझाव लेकर अपेक्षित कार्य किए जाते हैं।

### सुविधाओं व सफाई पर जोर

जन सेवा हॉस्पिटल में जरूरी सुविधाओं और सफाई पर पूरा जोर दिया जाता है। मरीजों तथा उनके परिजनों के लिए लिफ्ट लगी है। पूरा परिसर स्वच्छता पर पूरा गौर किए जाने के कारण चकाचक चमकता रहता है। सामान्य वार्ड, कॉटेज वार्ड आदि में जरूरी व्यवस्थाएं हैं। वाहनों की पार्किंग का समुचित इंतजाम है। चिकित्सकों से जांच के लिए इंतजार करना पड़े तो विशाल वेटिंग हॉल है। कैन्टीन आदि में भी गुणवत्ता व स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है।

### तीन साल बाद निकाले ताबीज-मोली

**सीनियर** सर्जन डॉ. राघव टांटिया ने एक महिला रोगी का सफल ऑप्रेशन कर ताबीज-मोली बाहर निकाले। एक तांत्रिक बाबा ने इसे निगलवा दिए थे। लगातार उल्टियों से न केवल यह मरीज, पूरा परिवार बहुत परेशान था। जन सेवा हॉस्पिटल में डॉ. टांटिया ने छोटी आंत में फंसे ताबीज व मोली को जटिल ऑप्रेशन करते हुए बाहर निकाला और समस्या का समाधान किया।

### खून से लथपथ, बचाई गई आंख

**वरिष्ठ** नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अरूण कुमार सी पवार ने एक ऐसे मरीज की आंख बचाई जो नील गाय भगाने के लिए चलाए गए पोटाश की वजह से खून से लथपथ हो गई थी। लैंस और कोर्निया तक टूट गया था। इस लगभग 32 वर्षीय मरीज का जटिल ऑप्रेशन हाथोहाथ किया गया और उम्मीद छोड़ चुके रोगी एवं परिजनों की खुशियां आंख बचाकर लौटाई गई।

### नहीं किया निराश, पूरी की आस

**लगभग** 50 वर्षीय एक महिला मरीज का अग्नाशय सड़ा हुआ था, कोरोना पॉजिटिव भी हो गई। जयपुर में भर्ती नहीं किया गया तो परिजन उसे जन सेवा हॉस्पिटल लेकर आए। नाक में नली लगी हुई थी, खाना-पीना बंद था, स्थिति नाजुक थी। यहां कोविड प्रभारी डॉ. संजय सोलंकी ने उपचार शुरू किया और कोरोना का उपचार 10 दिन में कर अग्रिम इलाज के लिए आगे भेजा।

### बड़े स्टोन को एक बार में निकाला

**यूरोलॉजी** के स्पेशलिस्ट डॉ. विकास गर्ग ने करीब 40 साल के मरीज के बड़े स्टोन का एक ही ऑप्रेशन से सफल इलाज किया गया। मरीज काफी परेशान था, परिवार वाले बहुत चिन्तित थे। साइज बड़ा होने के कारण इसे दो बार में निकालने का कहा गया था। दूरबीन के माध्यम से रोगी की सफल सर्जरी की गई और स्टोन को एक बार में ही निकाल दिया।

### हाइरिस्क, जच्चा-बच्चा रहे स्वस्थ

**वरिष्ठ** स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मृति अरोड़ा ने हाइरिस्क वाली एक गर्भवती का सफल उपचार कर उसका एवं बच्चे का जीवन बचाया। महिला के बड़ी गांठ थी, इसका सिजेरियन ऑप्रेशन कर निकाला गया। परिजनों को जब हाइरिस्क का पता चला तो सभी बहुत अधिक चिन्तित थे लेकिन जन सेवा हॉस्पिटल में विशेषज्ञता और अनुभव के संगम ने अपेक्षाएं पूरी की।

TANTIA GENERAL HOSPITAL
SRI GANGANAGAR (RAJ.)

# टांटिया हॉस्पिटल : डॉ. प्रेम मित्तल और डॉ. अभिषेक गुप्ता की विशेषज्ञता का भारी लाभ मिलना जारी

## दो बच्चों के दिल के छेद बंद किए

**श्रीगंगानगर।**

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल में मरीजों को वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम मित्तल एवं एलर्जी, टीबी एवं

श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता की विशेषज्ञता का भारी लाभ मिलना जारी है। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले के ही नहीं पड़ौसी राज्यों और महानगरों तक के मरीज इनका फायदा उठा रहे हैं। हाल ही में डॉ. प्रेम मित्तल ने दो बच्चों के दिल में छेद बंद किए। डॉ. अभिषेक गुप्ता ने एक युवक के दुर्लभ कैंसर का इलाज किया।

### परेशानी की धुंध हटाई, जीवन में खुशियां छाई

वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम मित्तल ने 11 साल की लड़की एवं 4 साल के लड़के के दिल में जन्म से छेद को बिना चीरफाड़ के डिवाइस के माध्यम से बंद किया। इन दोनों ही बच्चों के परिजन बहुत परेशान थे। उम्र छोटी और परेशानी बहुत बड़ी, इधर-उधर गए लेकिन परेशानी की धुंध छंटी डॉ. प्रेम मित्तल के अनुभव और विशेषज्ञता से। समस्या का समाधान पाकर परिवार में जैसे खुशियां छा गईं।

### गए कहां-कहां, यहां मिली समाधान की राह

लगभग 25 साल का युवक खांसी और सांस की तकलीफ दिखाने डॉ. अभिषेक गुप्ता के पास आया। जयपुर, बीकानेर में भी इलाज चला लेकिन परेशानी से निजात नहीं मिली। छाती में चोट बता कर भेज दिया। यहां ब्रोन्कोस्कोपी से गहनता से जांच की गई तो दुर्लभ कैंसर का पता चला। इस आयु में इस तरह के कैंसर बहुत ही कम है। इसका पूर्णतः इलाज भी संभव है। इस तरह डॉ. गुप्ता ने युवक एवं परिजनों के लिए समाधान की राह खोली।

## युवक के दुर्लभ कैंसर का हुआ इलाज

डॉ. प्रेम मित्तल

डॉ. अभिषेक गुप्ता

### विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएं

**टांटिया** हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेस मेकर, डिवाइस क्लोजर, कैथ लैब आदि की विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है। सीसीयू, एडल्ट इकोकार्डियोग्राफी, बच्चों की इकोकार्डियोग्राफी, एंजियोग्राफी (फीमोरल एंड रेडियल), बैलून से हृदय वाल्व को खोलने, पांव एवं गुर्दे के नसों की एंजियोप्लास्टी, कम्प्यूटराइज्ड ईसीजी, सीटी पलमोनरी, डिजिटल एक्स-रे, हाईटेक लेबोरेट्री, जन्मजात हृदय रोगों का उपचार, टीएमटी आदि के कारण टांटिया हॉस्पिटल की विशिष्ट पहचान है।

### 57 तरह की एलर्जी जांच की सुविधा

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में 57 तरह की एलर्जी जांच की सुविधा उपलब्ध है। स्क्रेच टेस्ट (एसपीटी) से एलर्जी की जांच के अंतर्गत मौसमी एलर्जी, भोजन (शाकाहार/मांसाहार), कीट पतंगे, धूल मिट्टी, फूल पराग कण, अन्य वातावरणीय एलर्जी की जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। टांटिया हॉस्पिटल में भामाशाह के अंतर्गत फेफड़े की बीमारी के लक्षण की दूरबीन से जांच की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध है। लम्बे समय से खांसी, बिगड़ा हुआ निमोनिया, लम्बे समय से टीबी, खांसी में खून आना, फेफड़े में कैंसर के लक्षण आदि पर इलाज की सुविधा भी उपलब्ध है।

### जांचों और गुणवत्ता में अव्वल

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल जांचों और गुणवत्ता में अव्वल है। एमआरआई 1.5 टेस्ला 16 चैनल की मशीन में अन्य साधारण मशीन की तुलना में आधे समय में जांच हो जाती है, जांच की गुणवत्ता भी साधारण मशीन के मुकाबले 5 गुणा ज्यादा होती है। पेट की एमआरआई एवं छाती-पैर की नसों को देखना संभव है, दिमाग व रीढ़ की हड्डी की बारीक नसों की भी गहनता से जांच होती है। खर्चा साधारण एमआरआई के बराबर ही लगता है। सिर से पांव तक की एंजियोग्राफी भी उपलब्ध है। सीटी स्केन 16 स्लाइस का होने से पेट के कैंसर की पकड़ भी आसानी से होती है, अधरंग, लकवे जैसी समस्या में भी बहुत उपयोगी है।

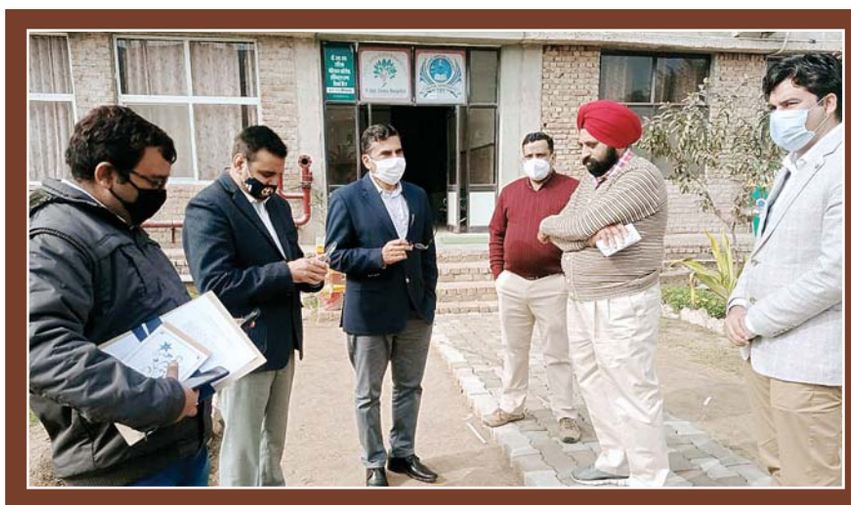

● अधिकारियों ने किया निरीक्षण और व्यवस्थाओं की सराहना की ● चाक चौबंद टीम, सरकारी एडवाइजरी की पूरी पालना सुनिश्चित

# कोरोना वेक्सीन का ड्राई रन निजी में अकेला जन सेवा हॉस्पिटल

**श्रीगंगानगर।**

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) जिले का एकमात्र ऐसा निजी हॉस्पिटल रहा जिसे कोरोना वेक्सीन के ड्राई रन के लिए चुना गया। टांटिया यूनिवर्सिटी के कार्यकारी निदेशक के.एस. सुखदेव, हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह एवं जनरल मैनेजर डॉ. विकास सचदेवा ने ड्राई रन के निरीक्षण के लिए पहुंचे अतिरिक्त जिला कलक्टर (सतर्कता) अरविन्द कुमार जाखड़ एवं अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश मेहता को अवलोकन करवाया। चेस्ट फिजिशियन डॉ. संजय सोलंकी ने भी व्यवस्थाओं से अवगत करवाया।

अधिकारियों ने जन सेवा हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 से बने हालात में शासन-प्रशासन का खूब सहयोग किया गया है। कोरोना मरीजों के लिए सराहनीय सेवाएं दीं। ड्राई रन के दौरान भी हॉस्पिटल की टीम ने व्यवस्थाओं को बखूबी अंजाम दिया।

वेक्सीन के ड्राई रन के दौरान अधिकारियों ने पाया कि मास्क और सोशल डिस्टेंस संबंधी विशेष सावधानी रखी गई है। वेक्सीन के लिए आने वालों को सरकारी एडवाइजरी की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करते हुए बैठाया गया। समस्त औपचारिकता पूरी होने के बाद थर्मो स्केनर से जांच तथा सेनेटाइजर से हाथ धोने के बाद ही अंदर प्रवेश सुनिश्चित किया गया। जांच के समय पर्याप्त संख्या में नए मास्क रखे गए ताकि किसी को जरूरत होने पर काम आ सके।

भीतर प्रवेश करने वालों को वेक्सीन लगाते समय भी जरूरी बातों का ध्यान रखा गया। वेक्सीन के बाद निर्धारित समय तक बैठाए रखने तथा आवश्यक बातों की जानकारी की व्यवस्था की गई। वेक्सीन संबंधी सभी तरह के बंदोबस्त पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (सतर्कता) जाखड़ ने तारीफ करते हुए कहा कि सभी लोगों के सहयोग से वेक्सीन संबंधी तमाम गतिविधियां भी सफलता से संचालित हो पाएंगी।

## जन सेवा हॉस्पिटल ने यातायात पुलिस के अभियान में निभाई सहभागिता

**पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, टीआई कुलदीप चारण भी रहे मौजूद**

**निःशुल्क आंखों की जांच, दवाइयां, वाहनों के रिफलेक्टर भी लगाए**

**श्रीगंगानगर।**

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाने के अभियान का शुभारम्भ पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने किया। यातायात पुलिस ने गणेशगढ़ पुलिस चौकी में डॉ.एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के सहयोग से शिविर लगाया। निःशुल्क आंखों की जांच विशेषज्ञों की टीम ने की, दवाइयां भी वितरित की गई। ट्रैक्टर ट्रालियों सहित काफी वाहनों के रिफलेक्टर भी लगाए गए। यातायात पुलिस थाना प्रभारी (टीआई) कुलदीप चारण, हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह, लालगढ़ के थानाधिकारी कश्यप सिंह आदि मौजूद रहे। यातायात पुलिस थाना प्रभारी चारण ने बताया कि अभियान की शुरूआत के समय वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति सजग रहने और सावधानी से वाहन चलाने का कहा गया, यातायात नियमों की जानकारी भी दी गई। दो सौ से अधिक वाहन चालकों की आंखों की जांच की गई, इनमें मुख्य रूप से ट्रक, बस एवं अन्य वाणिज्यिक भारी वाहनों के चालक शामिल थे।

### सामाजिक सरोकारों में सदा सक्रिय

**टांटिया** समूह सामाजिक सरोकारों में सदा सक्रिय रहता है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 बने हालात में जागरुकता का दस दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इसके अंतर्गत मास्क, इम्यूनिटी बूस्टर, जागरुकता पर्चों का वितरण शहर के अलग-अलग स्थानों पर किया गया। लोगों को सरकारी एडवाइजरी का महत्व बताने के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया। सैन्यकर्मियों के लिए भी इम्यूनिटी बूस्टर आदि उपलब्ध करवाए। इसी तरह अन्य समाज हित के कामों में टांटिया समूह अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

# नर्सिंग संकाय के शिवम शर्मा का सीएचओ के पद पर चयन

**श्रीगंगानगर।**

टांटिया यूनिवर्सिटी के नर्सिंग संकाय के विद्यार्थी शिवम शर्मा का चयन मध्यप्रदेश में सीएचओ के पद पर हुआ है। डीन डॉ. अशोक यादव ने इस उपलब्धि को सांझा करते हुए बताया कि वर्ष 2016-20 बैच का यह विद्यार्थी प्रतिभाशाली रहा है।

संकाय से निकले अनेक विद्यार्थी एम्स, पीजीआई, सेना, रेलवे आदि में उल्लेखनीय सेवाएं दे रहे हैं। नर्सिंग संकाय की शुरूआत वर्ष 2001 में हुई थी।

गुणवत्ता की शिक्षा एवं व्यावहारिक अनुभव पर जोर दिए जाने के कारण इसकी विशिष्ट पहचान है। शहर में होने वाले राष्ट्रीय एवं सामाजिक आयोजनों में नर्सिंग संकाय की सक्रिय सहभागिता रहती है। पल्स पोलियो अभियान में संकाय के व्याख्याता पर्यवेक्षक के रूप में योगदान देते रहे हैं।

विश्व तम्बाकू दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जैसे विशिष्ट मौकों पर रखे जाने वाले कार्यक्रमों, जागरुकता रैलियों आदि में नर्सिंग संकाय के विद्यार्थी प्रभावी ढंग से अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। इसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं व्यक्तित्व निखार के लिए भी कार्यक्रम होते रहते हैं।

# टीयू में शैक्षणिक गतिविधियां फिर से शुरू करने की तैयारियां पूरी

**अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना ने लिया जायजा**

**श्रीगंगानगर।**

कोरोना से बने हालात के चलते टांटिया यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक गतिविधियां फिर से शुरू करने की तैयारियां पूरी हो गई है। अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना ने इस बारे में की जाने वाली समस्त व्यवस्थाओं का बैठक में जायजा लिया और कई निर्देश दिए। यूनिवर्सिटी के सभी संकायों के डीन, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा आदि इसमें मौजूद थे। राज्य के गृह विभाग के आदेश के संबंध में शिक्षा विभाग ने सभी शिक्षण संस्थाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। टांटिया यूनिवर्सिटी ने सरकारी एडवाइजरी की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित की है। शिक्षा (ग्रुप-4) विभाग ने यूनिवर्सिटी खोले जाने पर मुख्य द्वार पर सामाजिक दूरी का ध्यान रखने, विद्यार्थियों, अभिभावकों, कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से एकत्रित नहीं होने देने का कहा है। अध्ययन अवधि में यूनिवर्सिटी में एवं सार्वजनिक परिवहन के दौरान फेस्क मास्क अनिवार्य रूप से पहनने, नो मास्क-नो एंट्री की पालना करने, सेनेटाइजेशन एवं तापमान की जांच के बाद प्रवेश देने जैसे अनेक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। टांटिया यूनिवर्सिटी ने इन दिशा-निर्देशों के अनुरूप जरूरी व्यवस्थाएं की हैं साथ ही विद्यार्थियों, अभिभावकों सहित सभी से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा जताई है।

प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना

# टांटिया समूह की भूमिका सराहनीय इसी तरह जारी रहे समाज की सेवा

## गणमान्य जनों ने किया प्रोत्साहित और दिया साधुवाद

**श्रीगंगानगर।**

टांटिया समूह को गणमान्य जनों का प्रोत्साहन मिलना जारी है। उन्होंने समाज सेवा के लिए किए जा रहे कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की है और साधुवाद देते हुए कहा है कि इसी तरह समाज सेवा जारी रहनी चाहिए।

गणमान्य जनों ने कहा है कि अपने लिए तो सभी करते हैं जो सक्षम एवं समर्थ लोग समाज सेवा के काम में आगे रहते हैं, उन्हें संतुष्टि मिलती है। इनके अनुसार डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में सिर्फ 10 रुपए में विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श उपलब्ध करवान सुखद आश्चर्य से कम नहीं है, इसी तरह हॉस्पिटल में केवल 20 रुपए में मरीजों को भर्ती करना बहुत राहत वाली बात है।

कोरोना काल में भी टांटिया समूह ने जागरुकता का परिचय दिया है तथा विशेष अभियान चलाकर अनुकरणीय कार्य किए हैं।

**सामाजिक** सरोकारों के क्षेत्र में टांटिया समूह का मुकाबला नहीं है। गुणवत्ता की चिकित्सा सेवा एवं उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाने के अलावा समाज हित में सदा सक्रिय रहना तारीफ की बात है। समूह इसी तरह तरक्की करता रहे, ऐसी कामना है।

**- दयाल भाटी**
**अध्यक्ष, नई धान मंडी मुनीम संघ श्रीगंगानगर**

**टांटिया** समूह उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। टांटिया किसान सेवा केंद्र कृषि प्रधान इस क्षेत्र में सक्रियता दिखा रहा है। कोरोना के इस काल में भी समय-समय पर अभियान चलाना प्रशंसनीय है।

**- मदन जोशी, पूर्व सहायक निदेशक (कृषि)**
**व अध्यक्ष सेवानिवृत राजपत्रित अधिकारी संघ**

**चिकित्सा** सेवा एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में श्रीगंगानगर के मान बढ़ाने वाले टांटिया समूह ने सामाजिक कामों में भी सदा सक्रियता दिखाई है। कोरोना के माहौल में भी सराहनीय सेवाएं जारी रखना प्रशंसा की बात है।

**- सोनू अनेजा**
**अध्यक्ष, प्राइवेट बस ऑप्रेटर संघ, श्रीगंगानगर**

**कोरोना** काल में टांटिया समूह ने सक्रियता एवं संवेदनशीलता का परिचय दिया है। डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) और टांटिया यूनिवर्सिटी भी उल्लेखीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इन सेवाओं की जितनी प्रशंसा की जाए कम हैं।

**- ओमप्रकाश गर्ग**
**महामंत्री, जिला व्यापार संघ**

## लालगढ़ जाटान में रक्तदान व निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

### ग्रामीण हुए लाभान्वित, भाजपा जिलाध्यक्ष तरड़ ने भी करवाई जांच

**श्रीगंगानगर।**

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के सहयोग से निकटवर्ती गांव लालगढ़ जाटान में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में लालगढ़ जाटान युवा मंच ने रक्तदान व निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर रखा। इससे काफी ग्रामीण लाभान्वित हुए साथ ही रक्तदान के प्रति उत्साह दिखाया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आत्माराम तरड़ ने शिविर में जांच करवाई। डॉ. शशि शर्मा, डॉ. पंकज देव, डॉ. स्मृति आदि ने शिविर में सराहनीय सेवाएं दीं। दलित उत्थान मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार लालगढ़िया, जन सेवा हॉस्पिटल के पीआरओ अमित वर्मा, मार्केटिंग मैनेजर अरूण सक्सेना, सुमन, सौरभ आदि की भी सहभागिता रहीं। ग्रामीणों ने शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि समय-समय पर ऐसे उपयोगी शिविर लगते रहने चाहिए। जन सेवा हॉस्पिटल के सामाजिक सरोकारों के प्रति सक्रियता एवं समर्पण का जिक्र करते हुए कहा कि यह हॉस्पिटल अपने यहां सिर्फ 10 रुपए में विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श उपलब्ध करवा कर तथा अन्य विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध करवा कर बहुत लाभ पहुंचा रहा है।

## डॉ. सिहाग की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता

**श्रीगंगानगर।** टांटिया यूनिवर्सिटी के हिन्दी के विभागाध्यक्ष

डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट की अंतर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता रही। नेपाल के भानु प्रतिष्ठान एवं भारत के साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन ने दो दिन की यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं समाज विषय पर रखी थी।

## हर्षोल्लास से मनाई लोहड़ी

**श्रीगंगानगर।** टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर के ब्वायज हॉस्टल में लोहड़ी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। उपस्थित विद्यार्थियों को इस मौके पर त्यौहार की मंगलकामनाएं दी गईं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की गई।

# जन सेवा में बिग बाइट रेस्टोरेन्ट शुरू

**श्रीगंगानगर।**

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) की प्रथम मंजिल पर शुद्ध शाकाहारी फास्ट फूड के लिए प्रसिद्ध बिग बाइट रेस्टोरेन्ट शुरू हुआ। डॉ. विशु टांटिया, डॉ. मोहित टांटिया, डॉ. राघव टांटिया, कर्नल डॉ. एस.एल. भारद्वाज, डॉ. के.के. अरोड़ा ने विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर हॉस्पिटल के चिकित्सक, नर्सिंग ऑफिसर्स, स्टाफ आदि मौजूद थे। बिग बाइट समूह के हैड शेफ चंदन शर्मा एवं प्रबंधक आयुषी दाधीच ने सभी का स्वागत किया।किया। शर्मा ने बताया कि सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक बर्गर, शेक्स, फ्रेंच फ्राइज, गारलिक ब्रेड, सेंडविच, पोप्स, मैगी, पास्ता, पिज्जा, मोकटेल, फ्रेश ज्यूस, चाय-काफी आदि को उपलब्ध करवाना शुरू किया गया है।

### कई हैं आकर्षण

बिग बाइट अपनी गुणवत्ता के कारण पहले ही जाना जाता है, जन सेवा हॉस्पिटल में शुरू हुई नई ब्रांच में मन को लुभाने वाली साज-सज्जा के अलावा कई अन्य आकर्षण भी रखे गए हैं। खाने-पीने के दौरान कैरम, शतरंज, लूडो आदि भी उपलब्ध करवाए गए हैं।

# प्रशामक देखभाल यानि पेलिएटिव केयर... ताकि असाध्य रोग में न हो परेशानी

## बढ़ता जा रहा है महत्व

**प्रशामक** देखभाल यानि पेलिएटिव केयर का महत्व बढ़ता जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य स्टेज 4 कैंसर, लकवे, जन्मजात बीमारियों, मेरूदण्ड रोग एवं ऐसे अन्य रोगी जिनके ठीक होने की संभावना कम होती है की देखभाल करना है। मरीजों एवं उनके परिजनों की परेशानी कम करने, रोगी के जीवन जीने की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए इसमें विशेष प्रयत्न किए जाते हैं। प्रशामक देखरेख का अर्थ यह नहीं है कि अंत आ गया है बल्कि संवेदनशीलता से देखभाल करना है। (There is a limit of treatment, but no limit to care)

पेलिएटिव केयर विभाग अभी तक भारत की चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था में पूरी तरह शामिल नहीं हुआ है। यह वृद्धावस्था एवं एंड स्टेज कैंसर रोगियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। श्रीगंगानगर के हनुमानगढ़ रोड स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएं हैं, ये कदम निश्चित रूप से इलाके लिए वरदान साबित होंगे।

### प्रशामक देखभाल यानि पेलिएटिव केयर की जरूरत

प्रशासक देखभाल यानि पेलिएटिव केयर की बहुत अधिक जरूरत है। पेलिएटिव केयर की जरूरत की बात की जाए तो दुनिया की 14 प्रतिशत जनसंख्या जिनमें 80 फीसदी रोगी लो इनकम देशों के हैं, इन्हें किसी न किसी रूप में पेलिएटिव केयर की आवश्यकता है। इसके तहत पीड़ा को दूर करने के लिए दवाइयां, सामाजिक मदद, परिवार को रोग के बारे जानकारी, मेडीटेशन और अन्य थैरेपी की मदद ली जाती है। अध्यात्मिक तरीकों का भी जरूरत के हिसाब से सहयोग लिया जाता है।

**डॉ. महेश के. मोहता**
**नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ**
**कैंसर विभाग, जन सेवा हॉस्पिटल**

# राजस्थान की आन, बान और शान वाला परिसर, हटाए नहीं हटती नजर

## टांटिया यूनिवर्सिटी के इको फ्रेंडली परिसर के ऐसे रंग, रह जाते हैं सभी दंग

**श्रीगंगानगर।**

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) के इको फ्रेंडली परिसर की विशेषताओं के रंग, देखने वालों को दंग करते हैं। अब राजस्थान की आन, बान और शान का ऐसा समावेश किया गया है कि जो देखता है, देखता ही रह जाता है। विशाल परिसर की इमारतों पर किलों की तरह लगाई गई छतरियां और कंगूरे सभी का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार नम्बर तीन पर दो तरफ लगे गजराज और बीच में विराजमान रिद्धि-सिद्धि के दातार भगवान गणेश। यूनिवर्सिटी के संस्थापक डॉ. श्यामसुन्दर जी टांटिया की आदमकद प्रतिमा स्थल को भी विशेष मेहनत से कुछ ऐसा ही संवारा गया है। गुणवत्ता की उच्च शिक्षा देने वाले, टॉप-10 यूनिवर्सिटी में शुमार मां सरस्वती के विद्या मन्दिर टीयू की विशिष्ट पहचान है। विद्यार्थियों का भविष्य संवारने के लिए अथक प्रयास किए जाते हैं। टीयू की पहचान पहचान को कई गुणा बढ़ाने के लिए प्रबंधन मनोयोग से प्रयास में जुटा रहता है।

परिसर का भ्रमण करने वाले जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, उनका अचरज बढ़ता जाता है। चारों तरफ हरियाली से घिरी आदमकद प्रतिमाएं, सुन्दर पौधों की कतार और स्वच्छ-शांत वातावरण।

टीयू के इस स्वरूप के लिए बहुत मेहनत की गई है और लगातार जारी है। प्रबंधन की दूरदर्शिता ऐसी है कि समय के साथ चलते हुए नई तकनीक को अपनाया जाता है, लीक से हटकर काम किया जाता है। परिसर में भ्रमण के लिए सौलर ऊर्जा की गाड़ियां इसका एक बड़ा उदाहरण है।

पानी की एक-एक बूंद का सदुपयोग किया जाता है। वर्षा जल का संग्रहण भी किया जा रहा है। हरे-भरे विशाल लॉन और पेड़-पौधों को बूंद-बूंद तथा फव्वारा सिंचाई पद्धति से भी पाला-पोसा जा रहा है। छत्तों पर सौर ऊर्जा का संयंत्र लगाकर इसका भी संग्रहण किया जा रहा है। परिसर के भवनों की डिजाइन इस तरह रखी गई है कि पर्याप्त हवा और रोशनी अंदर आती रहे। वेस्ट वाटर के उपयोग के लिए 300 केएलडी क्षमता का कम्बाइड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (सीएसटीपी) भी स्थापित किया हुआ है। जैविक खेती पर पूरा जोर दिया जाता है। परिसर में चल रही गौशाला के गोबर, गौमूत्र का सदुपयोग किया जाता है। जैविक केंचुआ खाद पेड़-पौधों में डाली जाती है। बीमारियों आदि से बचाने के लिए जीवामृत तैयार कर उपयोग में लिया जाता है। सफाई इतनी कि कागज का एक टुकड़ा तक सड़क पर गिरा नहीं मिलता। प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल प्रतिबंधित है, परिसर स्थित कायाज़्लयों में कागजों का उपयोग भी नगण्य होता है।

### टॉप टेन में शामिल टीयू की टॉप-टेन विशेषताएं

- राजस्थान आभा से सुसज्जित प्रदूषण मुक्त परिसर।
- व्यापक पौधरोपण व हरियाली।
- स्वच्छता के प्रति विशेष सजगता।
- भवन का डिजाइन प्र्याप्त हवा-रोशनी वाला।
- वर्षा जल संग्रहण की व्यवस्था।
- डेयरी के पशुओं की खाद का कुशल उपयोग।
- कम्बाइड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित।
- छत्तों पर सौलर ऊर्जा संयंत्र।
- परिसर में भ्रमण के लिए सौलर गाड़ियां।
- परिसर में प्लास्टिक का उपयोग वर्जित।

**टी-क्लिक**

# मां सरस्वती के विद्या मन्दिर की छटा निराली

मां सरस्वती के विद्या मन्दिर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर की छटा निराली है। गुणवत्ता की शिक्षा सर्वोपरि है, ध्येय है विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास। आत्मविश्वास और सकारात्मकता में बढ़ोतरी के लिए भी जारी रहते हैं प्रयत्न। परिसर के कृषि संकाय के भवन के सामने उल्लास का उजास और फैलाने के लिए वाद्य यंत्रों के प्रतीक पार्क में लगाए जा रहे हैं। इस दृश्य को कैद किया है पीआरओ अमित वर्मा ने।

**टी-क्लिक :** टांटिया समूह के साथी समूह के किसी भी संस्थान, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती या अन्य कोई संदेश देती तस्वीर 'टी-क्लिक' के लिए प्रेषित कर सकते हैं। फोटोग्राफी में रुझान हो तो उठाइए कैमरा और यादगार पल को कैद कर अपने नाम व विवरण के साथ media@tantiauniversity.com पर मेल कर दीजिए।

# जन सेवा हॉस्पिटल के चिकित्सा महाशिविर का महालाभ जारी

## 15 फरवरी तक चलेगा यह विशेष शिविर

## ईसीजी निःशुल्क, हर प्रकार की लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट

**श्रीगंगानगर।**

टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के नॉन कोविड ब्लॉक में चिकित्सा महाशिविर का महालाभ जारी है, इलाके को इसका खूब फायदा हो रहा है। यह महाशिविर10 दिसम्बर से शुरू हुआ है और15 फरवरी तक चलेगा। जांच के लिए श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पड़ोसी राज्य पंजाब-हरियाणा आदि के मरीज भी आ रहे हैं। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह ने बताया कि इस महाशिविर में ईसीजी निःशुल्क की जा रही है, लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट दी जा रही है। सीबीसी सिर्फ 20 रुपए में तथा अल्ट्रासाउंड केवल 100 रुपए में किया जा रहा है। दवाइयों पर भी छूट दी जा रही है। जन सेवा हॉस्पिटल में परामर्श शुल्क केवल 10 रुपए, भर्ती शुल्क मात्र 20 रुपए रखा हुआ है। आयुष्मान भारत योजना में निःशुल्क इलाज होता है तथा प्रमुख बीमा कम्पनियों से बीमित मरीजों एवं राज्य कर्मचारियों-पेंशनर्स के लिए कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध है। हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं नियमित उपलब्ध हैं। इमरजेंसी एवं ट्रोमा विभाग में हर समय न्यूरो, आर्थो एवं प्लास्टिक सर्जन जैसे विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800123101020 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

### समाज हित के कार्य हो रहे लगातार

टांटिया समूह के समाज हित के कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में चिकित्सा महाशिविर शुरू किया गया है। कोरोना काल में दस दिवसीय विशेष जागरुकता अभियान चलाया गया, नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया। राजकीय जिला चिकित्सालय के आईसीयू का जीर्णाद्धार करवाया गया है। शहर के प्रमुख शिव सर्किल को गोद लिया हुआ है। जे.आर. टांटिया नशा चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। कई जल मंदिर संचालित किए जा रहे हैं, कुछ समय पहले सर्किट हाऊस में जल मंदिर का लोकार्पण जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने किया था। टांटिया किसान सेवा केंद्र के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सेवा भी की जा रही है।

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया
मार्गदर्शक: डॉ. विशु टांटिया
मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718)
कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250)
पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में निःशुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002